नवम अध्याय

उपसंहार

उपसंहार

डा० उमाकान्त के शब्दों में " श्रद्धेय श्री मैथिलीशरणजी गुप्त भागवतीय मानवतावाद के प्रतीक कवि हैं। अर्वाचीन विचारधारा के अनुसार मानव विश्व का केन्द्र है। व्यक्ति और समाज के कार्यकलाप मानव के कल्याण के लिए ही होने चाहियें, यही इस युग का स्वच्छ आदर्श है। यह दृष्टिकोण तत्काल ही प्रत्येक मन:पूत हो जाता है। इसे स्वीकार करने के लिए मन जैसे भीतर से उमंगता है। भारतीय संस्कृति में भागवती परम्परा अपना विशेष स्थान रखती है।"[1] कवि-वर मैथिलीशरणगुप्त को भागवत धर्म में अगाध विश्वास है। श्रीमद्भागवत् में मनुष्य के सामाजिक पक्ष का आदर्शीकरण हुआ है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। उसके सारे सम्बन्ध भावनाओं पर आश्रित हैं। भावनाओं के घात-प्रतिघात अथवा क्रिया-प्रति-क्रिया के मूल में सामाजिक सम्बन्ध ही प्रमुख होते हैं। नव युग में नर की यह भागवत प्रतिष्ठा विश्व-धर्म का रूपाकार ग्रहण कर रही थी। इसे युग द्रष्टा गुप्तजी ने पहचाना। उन्होंने देखा कि व्यास की यह उक्ति इस युग में सर्वाधिक सार्थक है, जिसमें मानव को सर्वोपरि बताया गया है :-

" गुह्यं ब्रह्म तदिदं ब्रवीमि नहि मानुषात् श्रेष्ठतरं हि किंचित।" अर्थात् ब्राम का रहस्य तुमसे कहता हूँ कि मानव से बढ़कर मूल्यवान् तत्व यहाँ और कुछ नहीं है। यही भागवती दृष्टि का निचोड़ है। इसके अनुसार मानव के जीवन की सोद्देश्यता और व्यक्ति की गरिमा दोनों ही सिद्ध होती है। ऐसा ज्ञात होता है कि अर्वाचीन युग के मानव-सम्बन्धी विचार-सूत्रों की अभिव्यक्ति ही वर्तमान काव्य की दिशा निर्धारित कर रही है। देश-देश में युगकवि इन आदर्शों की वा-ङ्मयी आराधना कर रहे हैं और नए शब्दों द्वारा विचार-जगत में नया आलोक भर रहे हैं।"[2]

1- उमाकान्त - मैथिलीशरणगुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता की भूमिका ; प्र० सं० 1958 ; पृष्ठ - 1

2- वही पृ० - 2

इसीलिए गुप्तजी ने सामाजिक सन्दर्भों में मानव के विविध रूपों को उजागर किया है। उनकी इसी महती चेष्ट को इस ग्रन्थ में आकलित करने का प्रयास किया गया है।

गुप्तजी का विश्वास है कि नर की नरता (और उसकी नारायणता भी) उसके भावलोक में ही विद्यमान है। क्रिया-प्रतिक्रियादि तो भावों की अनुगामिनी मात्र है। ये मानवीय भाव विविध हैं। इन भावों का परिष्कार, उदात्तीकरण और विस्तार ही कवि की समग्र सारस्वत प्रचेष्टाओं का सार है। इसी मर्म के आधार पर गुप्तजी ने अपने काव्यों का सृजन किया है। गुप्तजी ने अपने काव्य में सभी भावों का ग्रहण किया और उन्हें समुचित महत्ता तथा गरिमा के साथ अभिव्यक्ति प्रदान की है। इन्होंने इन भावों की प्रबलता, सूक्ष्मता और संवेदनशीलता की प्रचेष्टा में प्राय: सर्वत्र कृतकार्यता प्राप्त की है।

समाज-चिन्तन के अध्ययन और विश्लेषण की प्रक्रियामेंगुप्तजी का यही प्रयास सर्वत्र उभड़कर सम्मुख आया है। उन्होंने भागवत धर्म अथवा वैष्णव भक्ति के आन्दोलन की युगानुरूपता को सर्वाधिक उजागर किया है। अन्य धर्मों के प्रति सर्वत्र उदार और सदय रहते हुए भी उन्होंने अपने ग्रन्थों में यही प्रतिपादित किया है कि सारे धर्मों का सार और मर्म एक ही है। तत्त्वत: विश्व का कोई भी उत्कृष्ट धर्म भागवत-स्थापना से पृथक नहीं है। वाह्याचार में भले ही भेद हो, पर आन्तरिक मर्म की दृष्टि से सब में एकरूपता है। इसीलिए इनके काव्य में सर्वत्र अनादर्श की निन्दा और आदर्श की स्थापना है ।

मैथिलीशरणगुप्तजी की मौलिक रचनाएँ [redacted]

क्रम०	नाम	संस्करण वर्ष	प्रकाशक
1-	रंगमें भंग[1]	सं० 2026 वि०	साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी
2-	जयद्रथ-वध	इक्सठवाँ संस्करण 2031 वि०	•
3-	पद्य-प्रबंध[1]	1969 वि०	•
4-	भारत-भारती	1983 2023 वि० इकतीसवाँ संस्करण	साकेत प्रकाशन चिरगाँव, झाँसी
5-	शकुन्तला	अठारहवाँ संस्करण 2026 वि०	साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी
6-	तिलोत्तमा	पँचमावृत्ति सं० 2019 वि०	•
7-	चन्द्रहास	सप्तमावृत्ति 2017	•
8-	पत्रावली[1]	2027 वि०	•
9-	वैतालिक[1]	1973 वि०	•
10-	किसान[1]	2019	•

1- टिप्पणी — पुस्तक में संस्करण का उल्लेख नहीं है।

क्र०सं०	नाम	संस्करण वर्ष	प्रकाशक
11-	अनघ	अष्टमावृत्ति 2014 वि०	साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी
12-	पंचवटी	तिरसठवाँ संस्करण 2028 वि०	〃
13-	स्वदेश-संगीत[1]	1982 वि०	〃
14-	हिन्दू	पंचमावृत्ति 2027	〃
15-	शक्ति[1]	2027 वि०	〃
16-	सैरन्ध्री	तेरहवाँ संस्करण 2014 वि०	〃
17-	वन-वैभव[1]	2005 वि०	〃
18-	गुरुतेग बहादुर[1]	2026 वि०	〃
19-	वक-संहार	प्रथम संस्करण 2021 वि०	〃
20-	विकट भट	षष्ठावृत्ति 2016 वि०	〃
21-	गुरुकुल[1]	2014 वि०	〃

1- टिप्पणी - पुस्तक में संस्करण का उल्लेख नहीं है।

क्र०सं०	नाम	संस्करण वर्ष	प्रकाशक
22-	संकार	तृतीयावृत्ति 2014 वि०	साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी
23-	साकेत	2025 वि०, 2031 वि०	"
24-	यशोधरा[1]	2026 वि०	"
25-	द्वापर	2027 वि, 2021 वि०	"
26-	राजा-प्रजा[1]	2013 वि०	"
27-	सिद्धराज	चौंतीसवाँ संस्करण 2031 वि०	"
28-	मंगलघट[1]	1994 वि०	"
29-	नहुष	सोलहवाँ संस्करण 2025 वि०	"
30-	कुणाल-गीत[1]	2013 वि०	"

1- टिप्पणी - पुस्तकों में संस्करण का उल्लेख नहीं है।

क्रमांक	नाम	संस्करण वर्ष	प्रकाशक
31-	अर्जन-विसर्जन	तृतीयावृत्ति 2014 वि०	साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी
32-	काबा और कर्बला	पंचम संस्करण 2026 वि०	•
33-	किसान-वेदना	छठम संस्करण सं० 2021	•
34-	अजित	पंचमावृत्ति 2022 वि०	•
35-	प्रदक्षिणा	2026 वि० (बत्तीसवाँ संस्करण)	•
36-	पृथ्वीपुत्र	तृतीयावृत्ति सं० 2023 वि०	•
37-	हिडिम्बा	द्वितीयावृत्ति 2013 वि०	•
38-	अंजलि और अर्घ्य	पंचमावृत्ति 2017 वि०	•
39-	जय भारत	तृतीयावृत्ति 2017 वि०	•

क्र०सं०	नाम	संस्करण वर्ष	प्रकाशक
40-	युद्ध		साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी
41-	भूमि भाग	प्रथमावृत्ति 2010 वि०	•
42-	राजा-प्रजा[1]	2013 वि०	•
43-	विष्णुप्रिया	सप्तमावृत्ति 2026 वि०	•
44-	रत्नावली	प्रथमावृत्ति 2017 वि०	•
45-	लीला	प्रथमावृति 2017	•
46-	उच्छवास	प्रथमावृत्ति 2017 वि०	•

1- टिप्पणी- पुस्तक में संस्करण का उल्लेख नहीं है।

गुप्तजी की अनूदित रचनाएँ

क्र०सं०	नाम	प्रकाशन संवत
1-	स्वप्न वासव दत्ता	1971
2-	गीतामृत	1982
3-	दूत घटोत्कच	1812
	बंगला से	
4-	विरहिणी ब्रजांगना	1971
5-	प्लासी का युद्ध	1871
6-	वीरांगना	1984
7-	मेघनाद वध	1884
8-	वृत्रसंहार	2021 वि०
	अँग्रेजी से	
9-	रुबाइयात उमर खय्याम	1988

उपर्युक्त रचनाओं का प्रकाशन गुप्तजी की अपनी प्रकाशन संस्था साहित्य सदन चिरगाँव झाँसी से हुआ है।

सहायक ग्रन्थ-सूची

(क) हिन्दी

अखिलेश

यशोधरा समीक्षा, प्रभा प्रकाशन, कानपुर, 1973.

अज्ञेय संपा०

तार सप्तक, भाग -1, प्रतीक प्रकाशन, दिल्ली, 1943.

डा० अर्चना सिंह

मैथिलीलोकगीत, शोधप्रबन्ध, लोक साहित्य, कलकत्ता.

अवध राम

मैथिलीशरणगुप्त के काव्य में भक्ति-विधान, आगरा, (विद्यापीठ), 1971.

अब्दुर्रहीम खानखाना

बरवै रामायण

अयोध्यासिंह उपाध्याय "हरिऔध"

प्रियप्रवास, द्वि० सं०, खड्गविलास प्रेस, बांकीपुर, 1921.

वैदेही-वनवास, चतुर्थ सं०, हिन्दी साहित्य कुटीर, वाराणसी, 2007वि०

आनन्दप्रकाश दीक्षित

मैथिलीशरणगुप्त, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1972.

आर० एम० मैकाइवर एण्ड चार्ल्स एच० पेज

समाज एक परिचयात्मक विश्लेषण, विश्वेश्वरैया, अनु०, रत्न प्रकाशन मन्दिर, आगरा, 1964.

अवधेशप्रसाद सक्सेना, मदनमोहन सक्सेना और रवीन्द्रनाथ मुखर्जी
समाजशास्त्र, छठा संशोधित संस्करण, हिन्दुस्तान बुक हाउस, कानपुर, 1967

आर0 एम0 तिवारी
समाजशास्त्र परिचय, कैलाश पुस्तक सदन, ग्वालियर,

आशा गुप्ता [श्रीमती]
मैथिलीशरणगुप्त का काव्य : सांस्कृतिक अध्ययन, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर, 1979.

इलाचन्द्रजोशी
विवेचना, द्वि0 सं0, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1950.

ई0 डब्लू0 फ्रैंकलीन
सरल सामाजिक अध्ययन, मैकमिलन एण्ड कम्पनी, बम्बई, 1971.

डा0 ईश्वरी प्रसाद
भारतवर्ष का नवीन इतिहास, इण्डियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग,

डा0 उदयभानु सिंह
महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 1951.

डा0 उमाकान्त
मैथिलीशरणगुप्त : कवि और भारतीयसंस्कृति के आख्याता, पु0 सं0, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1958.

गुप्तजी की काव्यसाधना, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1958.

उमादेवी अग्रवाल
श्री मैथिलीशरणगुप्त के काव्य में राष्ट्रीय चेतना, आगरा, 1969.

एम0 सुनीता

ड्रायर : एक विश्लेषण, गीता प्रकाशन, कोचीन, 1972.

एम0 एन0 निवास

आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन, प्र0 सं0, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, 1967.

एम0 सी0 सक्सेना

समाजशास्त्र के मूलतत्व, भाग- 1, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1963.

डा0 कमलाकान्त पाठक

मैथिलीशरणगुप्त : व्यक्ति और काव्य, प्र0 सं0, रंजीत प्रिन्टर्स, दिल्ली, 1960.

कन्हैयालालसहल

वाद-समीक्षा, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, सन् 1952 ई0.

आलोचना के पथ पर, नागरमल सहल, जयपुर, 1947.

डा0 फादर कामिल बुल्के

राम कथा : उत्पत्ति और विकास, द्वि0 सं0, हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद, 1962.

कात्यायन

समाजशास्त्र के मूल तत्व, अनु0 महेन्द्रनाथ वर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1970.

डा0 किरणचन्द्र चौधरी

भारतेर इतिहास कथा, चौ0 सं0, 1967. माडर्न बुक एजेंसी, कलकत्ता-1967

किरण सक्सेना

इन्टरमीडिएट समाजशास्त्र, किताबमहल, इलाहाबाद, 1980.

किरणकुमारी गुप्त

हिन्दी काव्य में प्रकृति-चित्रण, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1949.

डा0 कुँवर चन्द्रप्रकाश सिंह

रामवृत्त, प्र0 सं0, गौरवग्रन्थ प्रकाशन एवं प्रिन्टर्स, लखनऊ.

कुँवर सिंह सिसारा

तुलनात्मक समाजशास्त्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 1968.

के0 डी0 अग्रवाल

भारतीय सामाजिक व्यवस्था, एस0 चन्द एण्ड कम्पनी, दिल्ली, 1957.

केसरीनारायणशुक्ल

आधुनिक काव्य धारा का सांस्कृतिक, नंद किशोर एण्ड सन्स, वाराणसी, 1961.

के0 डी0 अग्रवाल

माध्यमिक समाजशास्त्र, प्र0 सं0, एस0 चन्द एण्ड कम्पनी, दिल्ली, 1957.

केशवदास

रामचन्द्रिका, छठवाँ सं0, लाला भगवानदीन सं0, काशीनागरी प्रचारिणी सभा, 1953.

कैलाशनाथ सब्बरवाल

समाजशास्त्र का परिचय, इण्डियन प्रेस इलाहाबाद, 1957.

कैलाशनाथ शर्मा और मदनमोहन सक्सेना

समाजशास्त्र के मूलसिद्धान्त, किताब महल, इलाहाबाद, 1926.

कृष्णशंकर शुक्ल

आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी साहित्य कुटीर, वाराणसी, 1935.

केलासनाथ जैसालि

समाज दर्शन, द्वि० सं०, किताब महल, इलाहाबाद, 1956.

गगन अदैव गिरि (व्याख्याकार)

श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञान, भक्ति एवं कर्मका समन्वय, पटना.

गिरिजादत्त शुक्ल " गिरीश "

गुप्तजी की काव्यधारा, चतुर्थ सं०, छात्रहितकारी पुस्तकमाला, प्रयाग, 1951.

गुरुदत्त

धर्म तथा समाजवाद, भारतीय साहित्य सदन, नई दिल्ली, 1967.

गुरुमुखनिहालसिंह

भारत का वैधानिक एवं राष्ट्रीय विकास, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली 1961.

भारत का वैधानिक एवं राष्ट्रीय विकास, दिल्ली, आत्माराम एण्ड सँस, 1961.

गुलाबराय

हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास, साहित्य रत्न भण्डार, आगरा, 1966.

भारतीय संस्कृति की रूपरेखा, द्वि० सं०, साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर, 1966.

गुलाबराय

साहित्य और समीक्षा, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, 1949.

काव्य के रूप, द्वि0 सं0, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, 1950.

सिद्धान्त और अध्ययन, प्रतिभा प्रकाशन,मंदिर, दिल्ली, 1951.

हिन्दी काव्य विमर्श, तृ0 सं0, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1952.

राष्ट्रीयता, प्र0 सं0, गया प्रसाद एण्ड सन्स, आगरा, 1961.

गोपाल कृष्ण अग्रवाल

मानव समाज, प्र0 सं0, प्रकाशक- किताब महल, कानपुर, 1964 ई0.

चटर्जी, सिंह और यादव

इम्पैक्ट आफ सोशल लैजिस्लेशन आन सोशल चेन्ज, सन् 1971.

डा0 चंडीप्रसाद जोशी

हिन्दी उपन्यास : समाजशास्त्रीय अध्ययन, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर, 1962 ई0.

(आचार्य) चतुरसेन

हिन्दू समाज का नवनिर्माण, रस्तोगी एण्ड सन्स, मेरठ, 1975 ई0.

चन्द्रगुप्त मयंक

युगचेतना के क्रमिक-विकास के परिप्रेक्ष्य में श्री मैथिलीशरणगुप्त के काव्य का अनुशीलन, आगरा, मालवा, म0 प्र0, 1970.

छोटू भाई सुथार

समाजशास्त्र, शारदा वल्लभ भाई विद्यापीठ, विल्लभ विद्यानगर, 1961.

जयचन्द्र विद्यालंकार

इतिहासप्रवेश, चौथा सं०, हिन्दी भवन, जलंधर,

जयशंकर प्रसाद

काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध, चतुर्थ० सं०, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1953.

जगदीशसहाय श्रीवास्तव

समाजदर्शन की भूमिका, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1970.

जान स्टुअर्ट मैकेंजी

समाजदर्शन की रूपरेखा, अजित कुमार सिन्हा अनु०, राजकमल दिल्ली, 1962

जी० पी० शर्मा

गुप्तजी और विष्णुप्रिया, साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर, 1959.

टी० के० सरलादेवी

जयशंकर प्रसाद और मैथिलीशरणगुप्त के काव्य में नारी-चित्रण, केरल, 1970

टी० के० एन० उन्नीथन, तथा अन्य

भारत के लिए समाजशास्त्र, अनु० हरीकृष्ण रावत, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1973.

डी० आर० सचदेव और विद्याभूषण

समाजशास्त्र के मूल सिद्धान्त, गुरुदास कपूर एण्ड कम्पनी, अम्बाला, 1963

डेविस किंग्सले

मानव समाज, अनु० गोपाल कृष्ण अग्रवाल, किताबमहल, इलाहाबाद, 1973

{ गोस्वामी } तुलसीदास

बरवै रामायण, टीकाकार जनार्दन मिश्र, "परमेश", प्र०सं०, 1937, युगान्तर साहित्यमन्दिर, भागलपुर सिटी

{ गोस्वामी } तुलसीदास

गीतावली, व्याख्याकार मुन्नीलाल, गीता प्रेस, गोरखपुर, 1934.

रामचरितमानस, चतुर्थ सं0, गीताप्रेस, गोरखपुर, सं0 2004.

थामस वर्टन बोटोमूर

समाजशास्त्र : समस्याओं एवं साहित्य की समदर्शिका, अनु0 हरीशचन्द्र उपरेति, राजस्थान विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान हिन्दी रचना केन्द्र, जयपुर, 1968.

{ श्रीमती } दर्शन शर्मा

मैथिलीशरणगुप्त के काव्य में नारी-पात्र, कुरुक्षेत्र वि0 डा0 छविनाथ त्रिपाठी, प्रिंसपल, राज0 इंडस्ट्रियल स्कूल, पार्क कालोनी, भिवानी(हरियाणा)

दानबहादुर पाठक

साकेत : एक अध्ययन, प्र0 सं0, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा-1969.

मैथिलीशरणगुप्त और उनका साहित्य, विनोद पुस्तक मन्दिर ; आगरा, 1969.

समाज-अध्ययन की रूपरेखा, शुक्ला बुक डिपो, पटना, 1966.

दुर्गाशंकर मिश्र

यशोधरा का काव्य सौन्दर्य, हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ, 1959.

पृथ्वीपुत्र आलोचना और व्याख्या, हिन्दी साहित्यभण्डार, लखनऊ, 1961

द्वारिकादास गोयल

भारतीय सामाजिक समस्याएँ, कैलाशपुस्तक सदन, ग्वालियर, 1980.

द्वारिका प्रसाद गोयल

समाजशास्त्र के मूल तत्त्व, प्र० सं०, कैलाश पुस्तक भवन, भोपाल, 1968.

द्वारिकादास गोयल

समाज की प्रकृति एवं आधार तथा सामाजिक परिवर्तन, गोयल बुक डिपो ग्वालियर.

डा० द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

साकेत में काव्य संस्कृति और दर्शन, प्र० सं०, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा 1961.

द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी

दाशरथी - श्रीरामचन्द्र, नवल किशोर प्रेस, लखनऊ, 1916.

द्वारिका प्रसाद मित्तल

मैथिलीशरणगुप्त का साहित्य, अन्नपूर्णा प्रकाशन, 1978.

धर्म विनोद

मैथिलीशरणगुप्त के विरह काव्य, प्र० सं०, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1971.

धीरेन्द्र वर्मा

हिन्दी साहित्य, भारतीय हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद, 1962.

डा० नगेन्द्र सं०पा०

सियारामशरणगुप्त, गौतम बुक डिपो, दिल्ली, 1950.

साकेत एक अध्ययन, प्र० सं०, साहित्य रत्न भण्डार, आगरा, 1940.

विचार और अनुभूति, गौतम बुक डिपो, दिल्ली, 1944.

नन्द दुलारे बाजपेयी
नया साहित्य : नए प्रश्न, पु0 सं0, वाराणसी विद्यामंदिर,
आधुनिक साहित्य, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1950.
हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, स्टूडेन्ट्स बुक डिपो, सागर,

नरेन्द्र कुमार सिंघी और वसुधाकर गोस्वामी
समाजशास्त्र विवेचन, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1973.

(आचार्य) नरेन्द्रदेव
राष्ट्रीयता और समाजवाद, ज्ञानमंडल, वाराणसी, 1949.

(श्रीमती) नागलक्ष्मी नारायण
मैथिलीशरणगुप्त और सुब्रमण्य भारती : तुलनात्मक अध्ययन, हैदराबाद, दि0 आधर, 1978.

नर्मदेश्वर प्रसाद
समाजशास्त्र के मूल तत्त्व, कुसुम प्रकाशन, पटना, 1959.

नारायण श्रीमन
भारतीय संयोजना में समाजवाद, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली, 1966.

निर्मला जैन
आधुनिक हिन्दी काव्य, में रूप विधायें, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1963.

पट्टाभिसीता रम्मैया
कॉंग्रेस का इतिहास, चतु0 सं0 , सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली, 1946.

परमलालगुप्ता

रामचरितमानस और साकेत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1961.

पाल0 एच0 फर्डे

समाजशास्त्र का क्षेत्र एवं पद्धति, हरिश्चन्द्र उपरेति अनु0, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 1973

पी0 डी0 पाठक

समाजशास्त्र के सिद्धान्त, गर्गबुक कम्पनी, जयपुर, 1959.

पी0 एम0 वामदेव

साकेत और श्रीरामायण दर्शनम् के पात्रों एवं आधुनिक प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन, बंगलौर, 1978

डा0 हि0 वि0, श्री सिद्धलिंगय्या कालेज, राजाजी नगर, बंगलौर-10

पदुमलाल शुक्ल

आधुनिक हिन्दी साहित्य में छन्द योजना, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 1958.

पंचानन मिश्र

समाज की भूमिका, अजन्ता प्रेस, पटना, 1956.

प्रभाकर माचवे

व्यक्ति और वाङ्मय, सहानी प्रकाशन, दिल्ली, 1952.

प्रेमचन्द

साहित्य का उद्देश्य, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद, 1954.

- प्रेमनारायण टण्डन

साकेत-समीक्षा, द्वि0 सं0, वाणी मन्दिर प्रेस, छपरा, 1951.

फूलचन्द जैन (सारंग)

साकेत की टीका, प्र० सं०, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1969.

बलवन्तसिंह, रामलाल भाटिया और अमृत लालगुप्त

सामाजिक अध्ययन, मैकमिलन एण्ड कम्पनी, बम्बई, 1958.

बलदेव प्रसाद मिश्र

साकेत संत, सरोज प्रकाशन इलाहाबाद, 1954.

मानस में रामकथा, बंगीय हिन्दी परिषद, कलकत्ता, 1952.

बालगंगाधर तिलक

श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य अथवा कर्मयोगशास्त्र, माधवराव सप्रे अनु०, दसवां सं०, पूना जे० एस० तिलक, 1955.

बुद्ध सेन चतुर्वेदी

समाजशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त, किताबमहल इलाहाबाद, 1962.

समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों के विवेचन : एक परिचयात्मक अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1967.

बृहदारण्यकोपनिषद

सानुवाद शांकर भाष्य सहित, प्र० सं०, गीताप्रेस, गोरखपुर, 19

ब्रजकिशोर चतुर्वेदी

आधुनिक कविता की भाषा.

भगवतीप्रसाद सिंह

तुलसीदास : चिन्तन : अनुचिन्तन, प्र० सं०, 1974.

डा० भगवती प्रसाद सिंह

भुशुण्डि रामायण : कथावस्तु तथा समीक्षा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1976.

रामभक्तिपरम्परा और साहित्य, प्र० सं०, हिन्दी पुस्तक एजेन्सी, 1974.

राम भक्ति में रसिक सम्प्रदाय, प्र० सं०, अवध साहित्य मंदिर, अलरामपुर सं० 2014.

रामकाव्यधारा : अनुसंधान एवं अनुशीलन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1976.

भारतभूषण सरोज

साकेत, दशम सं०, विनोदपुस्तक मन्दिर, आगरा, 1969.

[श्री] भुवनेश्वरनाथ मिश्र " माधव "

राम भक्ति साहित्य में मधुर उपासना, प्र० सं०, न्यू लिटरेचर, दिल्ली, 1976.

भोला नाथ

आधुनिक हिन्दी साहित्य - 1900-1950 की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रगति प्रकाशन, आगरा, 1969.

मदनमोहन पाण्डे और त्रिपाठी शम्भू रतन

समाजशास्त्र की विवेचना, किताबघर, कानपुर, 1959.

मधुबाला रोहतगी

मैथिलीशरणगुप्त के काव्य में नारी-भावना, कलकत्ता, 1976.

मल्लीनाथ

जयद्रथ-वध : आलोक, प्र० सं०, नावेल्टी एण्ड कम्पनी, अब पटना,

महादेवीवर्मा

रेखाएँ- राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त-अभिनन्दन ग्रन्थ सन् - 1959, कलकत्ता से प्रकाशित सन्, 1959.

अतीत के चलचित्र, चतु० सं०, भारती भण्डार, 1954.

राष्ट्रकवि मैथिलीशरणगुप्त, सं० 1951.

(आचार्य) महावीर प्रसाद द्विवेदी

विचार-विमर्श, भारती भण्डार, 1931.

माताप्रसाद गुप्त

तुलसीदास, प्रयाग विश्वविद्यालय, हिन्दी परिषद, प्रयाग, 1942.

मन्मथनाथ गुप्त

समसामयिक हिन्दी साहित्य, उपलब्धियाँ, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली, 1962.

(श्री) मोहन प्रदीप

समाजशास्त्र के सिद्धान्त, प्रेम बुक डिपो, आगरा, 1962.

मोहनलाल विद्यार्थी

इण्डियास कल्चर थ्रू दि एजेज, सं० 1952.

मैथिलीशरणगुप्त

अपने विषय में, साहित्यकार, 1955.

संयुक्ता तिवारी

मैथिलीशरणगुप्त के काव्य में नारी, लखनऊ, 1975.

4 ए बाग रोड, हजरतगंज, लखनऊ (उ० प्र०)

मंजु त्रिवेदी

तुलसीदास और मैथिलीशरणगुप्त के काव्य में ऐहिक जीवनादर्श का तुलनात्मक अध्ययन, लखनऊ, 1966.

योगेन्द्र नाथ शर्मा " मधुप "

साकेत समालोचना, हिन्दी साहित्य भण्डार, लखनऊ, 1957.

र० वि० कुलकर्णी

मैथिलीशरणगुप्त के पात्रों का मनोविश्लेषणात्मक, पूना, 1975.
रेलवे क्वार्टर्स, 917 बंगाली प्लाट, भुसावल (जलगाँव) 425201

रघुराज गुप्त,

समाजशास्त्र के सिद्धान्त, सर्वोदय साहित्य संसद, देहरादून, 1953.

रघुवंश

साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी, 1963.

डा० रमेश कुन्तल मेघ

तुलसी आधुनिक वातायन से, प्र० सं०, 1967, भारतीय प्रकाशन ज्ञानपीठ, वाराणसी,

रमेशचन्द्र पाठक

मैथिलीशरणगुप्त की रचनाओं में समसामयिक परिवेश, मगध, 1971.
हि० वि०, एच० डी० जैन कालेज, आरा (बिहार)

रविशंकर

प्राथमिक समाज-अध्ययन, भारती भवन, पटना,

रसेल बट्रेण्ड

सामाजिक पुनर्निर्माण के सिद्धान्त, मुनीश सक्सेना अनु०, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1963.

डा० रत्नापुरी

प्रेमचन्द-साहित्य में व्यक्ति और समाज, पु० सं०, आत्माराम एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली; 1970.

रामरतन भटनागर

मैथिलीशरणगुप्त, द्वि० सं०, किताब महल, इलाहाबाद, 1951.

हिन्दी साहित्य; एक अध्ययन, किताबमहल, इलाहाबाद, 1948.

राजेश्वरप्रसाद अर्गल

समाजशास्त्र , लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा, 1953.

रामखेलावन पाण्डेय

गीतिकाव्य, ज्ञान मण्डल पुस्तक भण्डार, बनारस, 1947.

{ आचार्य } रामचन्द्र शुक्ल

कला और आधुनिक प्रवृत्तियाँ, सभा सूचना विभाग, लखनऊ, 1958.

चिंतामणि -दोनों भाग, तृ० सं०, सरस्वती मंदिर, काशी, 1953.

गोस्वामी तुलसीदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1962.

हिन्दी साहित्य का इतिहास, पु० सं०, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1952.

रसमीमांसा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र संपा०, नागरी प्रचारिणी सभा, 1949.

राजेन्द्रराय राजेश

पंचवटी एक अध्ययन, पु० सं०, कमला प्रकाशन, राँची, 1962.

राजेन्द्र प्रसाद

खण्डित भारत, द्वि० सं०, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, बनारस, 1947.

राजेन्द्र राय " राजेश "

पंचवटी : एक अध्ययन, पु0 सं0, कमला प्रकाशन, रांची, 1969.

राधाप्रसाद शर्मा

पौराणिक कोश, 1971, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी.

रामधारी सिंह दिनकर

संस्कृति के चार अध्याय, द्वि0सं0, राजगोपाल एण्ड सन्स, दिल्ली,1956.

हमारी सांस्कृतिक एकता, उदयाचल, पटना, 19

पंत, प्रसाद, मैथिलीशरण, उदयाचल, पटना, 1958.

रामनारायण दत्त शास्त्री पाण्डेय " राम "

महाभारत, द्वि0 भाग, वनपर्व, गीताप्रेस, गोरखपुर,

रामपाल सिंह

समाज शास्त्र परिचय(द्वितीय भाग), रतन प्रकाशन मन्दिर, राजामंडी, आगरा, 1958.

रामप्रताप त्रिपाठी

पुराण-वायु पुराण, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1950.

रामदहिन मिश्र

काव्य में अप्रस्तुत योजना, ग्रन्थमाला कार्यालय, पटना, 1948.
काव्य-दर्पण, चतु0 सं0, ग्रन्थमाला कार्यालय, पटना, 1960.

रामदुलारी देवी

मैथिलीशरणगुप्त के काव्य में नीतितत्त्व, लखनऊ 1975.

नि0 डा0 उषा गुप्ता, लखनऊ

हि0 वि0, साकेत कालेज, फैजाबाद (उ0 प्र0) 207121

रामबाबू गुप्त

समाजशास्त्र की रूपरेखा, किशोर पब्लिशिंग हाउस, कानपुर, 1963.

रामबिहारी सिंह तोमर

भारतीय सामाजिक संगठन, श्री राम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा, 1962

सामान्य समाजशास्त्र, श्री राम मेहरा, आगरा, 1962.

समाजशास्त्र की रूपरेखा, डि० सं०, दत्त ब्रदर्स अजमेर, 1958.

सामाजिक-सिद्धान्त, श्री राम मेहरा, एण्ड कम्पनी, आगरा, 1963.

रामबिहारी सिंह तोमर और एल० डब्लू० फिलिप

सामाजिक मानव शास्त्र, दत्त ब्रदर्स अजमेर, 1959.

राममूर्ति त्रिपाठी

आगम और तुलसी, पु० सं०, सन् 1977.

तुलसी, लोक-भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1976.

रामरतन भटनागर

मैथिलीशरणगुप्त, डि० सं०, किताब महल, इलाहाबाद, 1951.

रामविनोद सिंह

साकेत : एक नव्य परिबोध, प्र0 सं0, अभिनव भारती, इलाहाबाद, 1975.

रामेश्वरप्रसाद सिन्हा

समाज दर्शन, भारती भवन, पटना, 1963.

लक्ष्मी नारायण " सुधांशु "

जीवन के तत्व और काव्य के सिद्धान्त, द्वि0 सं0, कलकत्ता, 1950.

काव्य में अभिव्यंजनावाद, तृ0 सं0, जनवाणी प्रकाशन, कलकत्ता, 1950.

लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

आधुनिक हिन्दी साहित्य, तृ0 सं0, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद, 1954.

लाला भगवान दीन संपा0

रामचन्द्रिका, भाग-1,2 ; साहित्य भूषण कार्यालय,

लाला भगवानदीन और विश्वनाथ प्रसाद मिश्र संपा0

कवितावली, रामनारायण लाला बेनीप्रसाद, इलाहाबाद, 1963.

लास्की

राजनीति के मूलतत्व [ए ग्रामर आफ पालिटिक्स का अनु0] जार्जएलेन अनविन एण्ड एलायठ, बम्बई, 1956.

डा० बलदेव प्रसाद मिश्र

तुलसीदर्शन, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1938.

डा० वात्स्यायन

समाजशास्त्र के मूल सिद्धान्त, किताबघर प्रकाशन, गोरखपुर, 1960.

वासुदेवनन्दन प्रसाद और श्यामनन्दन शास्त्री

यशोधरा एक समीक्षा, छठा सं०, भारती भवन, पटना, 1970.

डा० वासुदेवशरण अग्रवाल (प्रधान सम्पा०), एवं अन्य, श्री जैमिनी कौशिक " बरुआ " (प्रबंध सं०पा०), राष्ट्रकवि मैथिलीशरणगुप्त : अभिनन्दन ग्रन्थ, राष्ट्र कवि मैथिलीशरणगुप्त अभिनन्दन समिति, कलकत्ता, 1959.

वाल्मीकि

श्रीमद्वाल्मीकि रामायण, भाग- प्रथम एवं द्वितीय, तृतीय सं०, गीताप्रेस, गोरखपुर, सं० 2033.

विजय पाल सिंह

केशव सुधा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1969.

केशव और उनका साहित्य, राजपाल एण्डसन्स, दिल्ली, 1961.

विद्याभूषण और डी० आर सचदेव

समाजशास्त्र के सिद्धान्त, द्वि० सं०, किताबमहल, इलाहाबाद, 1980.

विनयकुमार

मैथिलीशरणगुप्त, आलोक प्रकाशन, दिल्ली, 1960.

विनोबा भावे

साहित्यकारों से, तृ० सं०, अखिल भारत सर्व सेवासंघ, वर्धा, 1957.

वीरेन्द्रकुमार बड़सुवाला

यशोधरा काव्य सन्दर्भ, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1976.

विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

वाङ्मय विमर्श, हिन्दी साहित्य कुटीर, बनारस, 1957.

हिन्दी साहित्य का अतीत, वाणी वितान, वाराणसी, 1958.

विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी

वैदेहायनम्, द्वि० सं०, गुरुप्रसाद शास्त्री संपा०, 1965.

विष्णुप्रिया : एक अध्ययन, द्वि० सं०, कमल प्रकाशन, राँची, 1968.

वी०एस० अग्रवाल और अन्य

राष्ट्रकवि मैथिलीशरणगुप्त अभिनन्दन ग्रन्थ, बड़ा बाजार, पुस्तकालय, कलकत्ता, 1959.

वैद्यनाथ कर और गणपति लाल

मानव समाज की कहानी, पुस्तक भण्डार, पटना, 1963.

शकुन्तला कालरा

मैथिलीशरणगुप्त के काव्य पर तुलसी का प्रभाव, दिल्ली, 1977.

नि० डा० उमाकान्तगोयल,

ई आर/20 अमर कालोनी, लाजपतनगर, नई दिल्ली 110024

शम्भुनाथ सिंह

छायावादयुग, सरस्वती मंदिर, वाराणसी, 1952.

रामचरितमानस और उसका महाकाव्यत्व, समकालीन प्रकाशन, वाराणसी, 1973.

शम्भुरत्न त्रिपाठी

भारतीय समाज और संस्कृति, किताब घर, आचार्य नगर, कानपुर, 1970

सामाजिक प्रवेशिकी, किताबघर, कानपुर, 1962.

सामाजिक विचारों का इतिहास, किताबघर, कानपुर, 1959.

ग्रामीण समाज शास्त्र, द्वि० सं०, किताबमहल, इलाहाबाद, 1960.

समाजशास्त्र के आधार, किताबघर, कानपुर, 1962.

समाजशास्त्र की पृष्ठ भूमि, किताब महल, कानपुर, 1959.

शम्भुलाल दोषी

समाजशास्त्र : सिद्धान्त और विश्लेषण, रामप्रसाद एण्ड सन्स, आगरा, 1964.

शारदा ओंकार

मैथिलीशरणगुप्त, वोरा एण्ड कम्पनी, बम्बई, 1970.

शशि अग्रवाल (श्रीमती)

मैथिलीशरणगुप्त का काव्य और उसकी अन्तःकथाओं के स्त्रोत, इलाहाबाद 1971. (डी० लिट्०)

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ०प्र०)

शैल कुमारी,

आधुनिक हिन्दी काव्य में नारी भावना, हिन्दुस्तानी एकादमी, इलाहाबाद, 1951.

शंकर दत्तात्रेय जावरेकर

आधुनिक भारत, अनु० हरिभाऊ उपाध्याय, हिन्दी मंदिर, इलाहाबाद, 1944

ठाकुर सहाय सक्सेना और शान्ति प्रसाद वर्मा
सामाजिक अध्ययन, इण्डियन प्रेस, इलाहाबाद, 1955.

ठाकुर सहाय सक्सेना और रतनलाल नाहर
सामाजिक ज्ञान, रामनारायण लाल बेनी प्रसार, इलाहाबाद, 1961.

श्यामसुन्दरदास
साहित्यालोचन, साहित्य रत्न माला, वाराणसी, 1922.

डा० श्यामसुन्दरदास
हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, नन्ददुलारे वाजपेयी संपा०, इण्डियन प्रेस लिमिटेड, इलाहाबाद, 1954.

हिन्दी भाषा और साहित्य, हि० सं०, इण्डियन प्रेस, इलाहाबाद, 1937

डा० श्रीकृष्ण लाल
आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास (1900-1925), हिन्दी परिषद विश्व विद्यालय, इलाहाबाद, 1942.

सदगुरु दयाल कुल और सुरेश चन्द्र माते
सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन, स्टूडेण्टस फेन्डस एण्ड कम्पनी, वाराणसी

सहदेव वर्मा
मैथिलीशरणगुप्त का खड़ी बोली के उत्कर्ष में योगदान, आदर्श साहित्य प्रकाशन, दिल्ली, 1971.

सरयू प्रसाद चौबे
भारतीय समाज संगठन, रामनारायणलाल, इलाहाबाद,

समाजशास्त्र के तत्व, रामनारायणलाल , इलाहाबाद,

सरयूप्रसाद चौबे

समाजशास्त्र परिचय, रामनारायणलाल, इलाहाबाद, 1955.

सरोज चौधरी

श्री मैथिलीशरणगुप्त की राष्ट्रीय, सांस्कृतिक भावना, 1970.
नि० डा० सूर्यप्रसाद दीक्षित
जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज०)

सरोज ग्रोवर

मैथिलीशरणगुप्त की कथानक संबंधी युगचेतना एवं तत्कालीन युगबोध के आधार पर उनकी साहित्यिक उपलब्धियाँ तथा सीमाएँ, पंजाब हिन्दी विभाग, स्वामी श्रद्धानंद कालेज, अलीपुर, दिल्ली-110036

सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार

समाजशास्त्र के मूलतत्व, विद्याविहार, देहरादून, 1954.

सत्यमित्र दुबे

मनु की समाजव्यवस्था, संशोधित द्वि० सं०, मैकमिलन इण्डिया लिमिटेड नई दिल्ली, 1981.

डा० सत्येन्द्र

गुप्तजी की कला, चतु० सं०, साहित्य रत्न भंडार, आगरा, 1950.

सत्य स्वरूप सारस्वत

समाजशास्त्र दर्पण, सिटी बुक हाउस, कानपुर, 1960.

सावित्री सिन्हा एवं उमाकान्त गोयल

साकेत की शब्दानुक्रमणिका, प्र० सं०, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली

साने पाण्डुरंग सदाशिव " गुरुजी "

भारतीय संस्कृति, बाबू राव जोशी अनु0, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली, 1956.

सिद्धेश्वर सिंह

समाज शिक्षा क्यों? , विजय प्रकाशन, पटना.

सी0 राजगोपालाचारी

दशरथ-नन्दन श्रीराम, अनुवादक- लक्ष्मी देवदास गाँधी, सस्ता साहित्य मंडल, नई दिल्ली, 1958.

सीतारामदीन

साहित्यालोचन : सिद्धान्त और अध्ययन, अनुपमा प्रकाशन, पटना, 1971

सतीशचन्द्र शर्मा

हिन्दी-भक्ति-काव्यधारा के विकास में श्री मैथिलीशरणगुप्त का विशिष्ट अध्ययन, आगरा, 1967.

नि0 डा0 रामप्रकाश अग्रवाल

हि0 वि0 पी0 जी0 डी0 ए0 वी0 कालेज, नेहरू नगर, नई दिल्ली,24

सुधीन्द्र

हिन्दी कविता में युगान्तर, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, 1950.

सुधाकर

मैथिलीशरणगुप्त और साकेत, प्रेम बुक डिपो, आगरा, 1968.

सोमनाथ गुप्त

हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, चतु0 सं0, हिन्दी भवन, इलाहाबाद, 1958.

हटन सिंह

हमारी सामाजिक समस्याएँ, नन्दकिशोर एण्ड ब्रदर्स, वाराणसी, 1967.

सत्यकेतु

भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास, सरस्वती साधना, 1953.

सर्वानन्द पाठक संपा०

विष्णुपुराण, प्र० सं०, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, सं० 2034 वि०.

स्वींगवुड एलेन

मार्क्स तथा आधुनिक सामाजिक सिद्धान्त, अखिलेश मिश्रा अनु०, मैकमिलन कम्पनी, नई दिल्ली, 1979.

हजारी प्रसाद द्विवेदी

विचार प्रवाह, हिन्दी ग्रन्थरत्नाकर, बाम्बे, 1959.

मध्यकालीन धर्मसाधना, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1952.

साहित्य का मर्म, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, 1943.

हिन्दी साहित्य , अतरचन्द्र कपूर, दिल्ली, 1952.

हरिऔध

वैदेही-वनवास, चतु० सं०, हिन्दी साहित्य कुटीर, 1950.

हरिदत्तवेदालंकार

भारतीय समाजशास्त्र मूलाधार,

भारत का सांस्कृतिक इतिहास, द्वि० सं०, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1952.

हाली

मुसद्दसे हालीजद्दो-जहद-इस्लाम, मकतबा बुक डिपो, दिल्ली, 1961.

क्षितिमोहन सेन

संस्कृति संगम, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1951.

क्षेम (प्रो०)

छायावाद की काव्यसाधना, साहित्य ग्रन्थमाला कार्यालय, वाराणसी, 1954.

क्षेमचन्द्र " सुमन "

दिवंगत हिन्दी सेवी, भाग-1, शकुन प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981.

क्षेमचन्द्र " सुमन " तथा योगेन्द्र कुमार मल्लिक

साहित्य विवेचन, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, 1852.

(ख) संस्कृत

अश्वघोष

बुद्धचरितम्, विष्णुदत्त शर्मा व्याख्याकार, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ, 1969.

ऐतरेय ब्राह्मणम्

काशीनाथ शास्त्री संपा0, आनन्दाश्रम, संस्कृत ग्रंथावली, 32, पूना, 1896.

कठोपनिषद्

ब्रह्म मित्र अवस्थी, व्याख्याकार, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, 1969.

कालिदास

अभिज्ञान शाकुन्तलम्, द्वि0 सं0, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1981.

कालिदास रघुवंशम्

हेमन्तकुमार भट्टाचार्य संपा0, कलकत्ता, 1936.

कूर्मपुराण

पंचानन तर्करत्न, कलकत्ता, 1904.

गरुड़पुराण, भाग-1

राम शर्मा आचार्य संपा0, संस्कृत संस्थान, बरेली, 1974.

- चम्पू रामायणम्

आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र (हिन्दी व्याख्याकार), द्वि0 सं0, भोजराज चौखम्बा विद्या भवन, बनारस, 1971.

देवी भागवत पुराण, भाग 1 और 2

राम शर्मा आचार्य संपा0, संस्कृतसंगठन, बरेली, 1974.

पद्मपुराण, भाग-1

रामशर्मा सम्पा0, संस्कृत संस्थान, बरेली, 1968-69.

पण्डितराज जगन्नाथ

रसगंगाधर, चतु0 सं0, बद्रीनाथ झा, संस्कृत टीकाकार मदन मोहन झा हिन्दी टीकाकार, चौखम्बा विद्या भवन, 1978.

ब्रह्म वैवर्त्तपुराणम्, भाग - 2

वासुदेव शास्त्री मराटे सम्पा0, आनन्दाश्रम संस्कृत ग्रन्थावली, संख्या-102, पूना, 1935.

ब्राह्मपुराण

चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, बनारस, 1975.

भागवत् पुराण, दो भागों में

गोरखपुर, गीताप्रेस, गोरखपुर, 1961.

भर्तृहरि

नीतिशतकम्, शिवदत्तशर्मा, व्याख्याकार, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ, 1968.

भवभूति

उत्तररामचरितम्, प्रो0 चन्द्र अनु0, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1957.

मनुस्मृति, द्वि0 सं0

हरगोविन्द शास्त्री, व्याख्याकार, चौखम्बा, संस्कृत सीरीज़, वाराणसी, 1965.

मम्मटाचार्य

काव्यप्रकाश, हरिमंगलमिश्र, अनुवादक, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहा-
-बाद, 1943.

महाभारत

नीलकंठ व्याख्याकार, बम्बई, 1962.

मुनिलाल

आर्ष रामायण, चतु० सं०, गीताप्रेस, गोरखपुर, वि० सं० 2024.

राजशेखर

काव्यमीमांसा, तृ० सं०, सी०डी० दलाल तथा आर० ए० शास्त्री, बरोदा, 1934.

रामानुजाचार्य

श्रीभाष्यम्-राम शास्त्री, बनारस, 1889-91.

वामन

काव्यालंकारसूत्राणि, द्वि० सं०, दुर्गाप्रसाद तथा काशीनाथ पाण्डुरंग परब, बाम्बे, 1895.

वाल्मीकि रामायण

इण्डियन हेरिटज ट्रस्ट, मद्रास, 1981.

वाल्मीकि रामायण, 7 भागों में

गोविन्दराज व्याख्याकार, बम्बई, 1935.

विश्वनाथ

साहित्यदर्पण, चण्डीचरण स्मृति भूषण तथा भूतनाथ विद्यारत्न, कलकत्ता, 1886.

शतपथब्राह्मण

सायनाचार्य व्याख्याकार, तथा सत्यव्रत सामस्वामी सं०पा०, एसियाटिक सोसायटी, 1906-1909.

शाण्डिल्य संहिता, भक्ति खण्ड

अनन्तशास्त्री फड़के सं0, चौखम्बा संस्कृत सीरीज़, 1935-36,

श्रीमद्भगवद्‌ गीता

सत्‌-शास्त्र प्रकाशन, मथुरा, 1980.

[ग] अंग्रेजी

A.W.Green,

Sociology, Mac graw Hell, New York, 1964.

Aristotles' Politics,

Jowetts, Trans.,

B.Russell,

Marriage and Morals, Bartam, New York, 1959.

Charles H. Colley,

Human Nature and Social Order, Transaction Books, Brunswick, NJ, U.S.A., 1982.

Social Press, Southern Illinois University Press, Carbondale, 1966.

E.B.Tylor,

Primitive Culture, John Murray, London, 1871.

F.H.Gillings,

Principles of Sociology, Macmillan, New York, 1928.

Francis Galton, Sir,

Enquiries into human faculty and its development, 2nd Ed. , J.M.Dent & Co., London & E.P.Dutton & Co., New York.

G.H.Sabine,

A History of Political Thought, G.G.Harrap & Co.Ltd.,London, 1939.

G.S.Ghurye,

Culture & Society, University of Bombay Publication, Bombay, 1893.

H.E.Barnes,

Social Institutions, Prentice Hall, New York,1942.

Herbert Spencer,

Principles of Sociology, Williams & Norgate, London, 1876.

India Code (8 vols.),

Published by Manager of Publication, Govt. of India, 1956.

J.H.Hutton,

Caste in India, Oxford University Press, Calcutta, 1963.

J.L.Gillin & J.P.Gillin,

An Introduction to Sociology, Macmillan, New York, 1946.

J.L.Gillin,

The Ways of Man,

J.L.Nehru,

Glimpses of World History, Kitabistan, Allahabad,1934-35.

J.S.Mackensie,

Out Lines of Social Philosophy, Allen & Unwin, London,1918.

J.V.Furtado,

India through the ages, Macmillan & Co.Ltd.,Bombay, 1961.

James Wilford Garner,

Political Science and Government, New York, 1951.

Kimball Young,

Sociology, American Book Co., New York, 1942.

L.F.Word,

Social Classes and Sociological Theory in American Journal of Sociology, Rutgers-The State University,New Brunswrick.

Mohanlal Vidyarthi,

India's Culture through the ages, 2nd Ed., Tapeshwari Sahitya Mandir; Kanpur, 1952.

Morris Ginsberg,

Essays in Sociology & Social Philosophy (2 vols.), William Heinemann Ltd.,1956.

Sociology, Macmillan, London, 1953.

P.Ginsburg,

Fundamentals of Sociology, Orient Longmans, Bombay, 1957.

R.M.Maciver,

Community; a sociological study, Macmillan, London, 1936.

The Modern State, Clarendon Press, Oxford, 1926.

Rajani Palmdutta,

India Today and Tomorrow, Peoples Publishing House Ltd., Delhi, 1955.

Richard Tracy Lapiere,

Sociology, McGraw Hill Book Co., New York, 1946.

Robert Morrison MacIver & Charles.H. Page,
Society, An Introductory Analysis, Macmillan, London, 1959.

Thomas Erskine Holland, Sir,
The Elements of Jurisprudence, 13th Ed., Clarendon Press,
Oxford, 1924.

The West Bengal Code,
Published by Govt. of West Bengal, Legislative Deptt.,
Calcutta, 1958.

W.E.Sargent,
The Psychology of Marriage, 2nd Ed., Independent Press Ltd.,
London, 1941.

W.H.Hudson,
An Introduction to the Study of Literature, 2nd Ed.,
George G.Harrap & Co., London, 1913.

(घ) कोश तथा विश्वकोश

व द्राय त्रिभुवन डिक्शनरी
गोविन्द गोपाल मुखोपाध्याय तथा गोपिकामोहन भट्टाचार्य संपा०,
दि प्रिंसिपल संस्कृत कालेज, कलकत्ता .

बृहद् हिन्दी कोश
कालिका प्रसाद, राजवल्लभसहाय तथा मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव संपा०,
चतुर्थ परिवर्द्धित संस्करण, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी .

वैदिक कोश, प्रथम भाग, पु० सं०,
हंसराज संपा०, एल० द्वारकादास मैमोरियल वाल्यूम, लालजीदास, लाहैर,
1926 ई०,

हिन्दी विश्व कोश, दशम भाग
श्री नगेन्द्रनाथ वसु तथा विश्वनाथ वसु सम्पादक, कलकत्ता, 1925.

हिन्दी साहित्यकोश, दो भागों में
डा० धीरेन्द्र वर्मा तथा अन्य सम्पादक, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी,
1958.

A Dictionary of the Social Sciences,
F.Hugo,Ed., Roulledge & Kegan Paul, London, 1977.

A Dictionary of the Social Science
Julius Gould and William L. Kolb, Jt. Ed.,
Free Press of Glencoe, Newyork, 1964.

Dictionary of Terms of Sociology
Huiter.

The Compact Edition of the Oxford English Dictionary (2 vols.) First Edition, Oxford University Press, Ely House, London, 1971.

Encyclopedia of World Literature in the 20th Century (3 vols.) Wolfgang Bernard Fleischmann, General Editor, Fredrick Ungar Publishing Co., New York, 1967.

Encyclopedia of Religions (3 vols.) J.G.R.Forlong, Ed., University Books; New Hyde Park, New York, 1964.

Encyclopedia of Religion and Ethics

International Encyclopedia of the Social Science David L Sills, Ed., The Macmillan Company and The Free Press U.S.A., 1968.

[ङ] पत्र-पत्रिकाएँ

अवन्तिका

आजकल

आलोचना

आज

इन्दु

कुमार

कल्याण

जीवन साहित्य

दीदी

नागरी प्रचारिणी पत्रिका

नया साहित्य

नई धारा

नवनीत

नयासमाज

प्रसारिका

प्रतीक

प्रताप

प्रसाद

भारतोदय

भारत

भारतमित्र

भविष्य

महाविद्या

माधुरी

राष्ट्र भारती
लीडर
वैश्योपकारक
वेंकटेश्वर
समाचारपत्र
विशाल भारत
समालोचक
साधना
सुधा
सरस्वती संवाद
सम्मेलन-पत्रिका
सारथी
साहित्यकार
सुधा
स्वाधीन
हंस
हिन्दी प्रचारक
हिन्दुस्तानी
साप्ताहिक हिन्दुस्तान
हनुमान मंदिर " स्मारिका "